



तापमान



अधिकतम 23.2 डिग्री

न्यूनतम 21.2 डिग्री

हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, रविवार, 6 सितंबर 2026

पथलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

4

हनुमान टेकड़ी में
गूना 'नंद के घर
आनंद भयो



हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
06 सितंबर 2026
कूपन नं.
15

हरिभूमि न्यूज ►► जशपुरनगर

जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पतराटोली-दुलदुला मार्ग पर मनोहर पेट्रोल पंप के पास एक बंद मकान से 55 वर्षीय व्यक्ति का सड़ी-गली अवस्था में शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान बालवीर कुजूर (55 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बालवीर कुजूर मनोहर पेट्रोल पंप के समीप स्थित अपने

पतराटोली-दुलदुला मार्ग का मामला, बंद कमरे से आ रही थी बदबू सड़ी गली अवस्था में मिली सॉफ्टवेयर इंजीनियर की लाश



पत्नी अस्पताल में नर्स

बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत है और जशपुर में रहती है। दोनों के बीच आपसी विवाद होने की बात भी सामने आई है, जिसके चलते पत्नी जशपुर में रह रही थी और बालवीर कुजूर दुलदुला स्थित मकान में अकेले रहते थे। स्थानीय जानकारी के मुताबिक बालवीर कुजूर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे और कंप्यूटर की अच्छी जानकारी रखते थे। हालांकि, उनके शराब सेवन करने की भी बात सामने आई है। फिलहाल मौत किन परिस्थितियों में हुई, शव कितने समय से कमरे में पड़ा था और मौत का वास्तविक कारण क्या है, इन सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। पुलिस जांच के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर सामने आएगी।

मकान में अकेले रहते थे। दुलदुला थाना प्रभारी सुनील सिंह के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बंद मकान से काफी तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही सरपंच मनोज भगत, एफएसएल टीम के अधिकारी डॉ. प्रभात और पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

मकान का दरवाजा खुलवाकर अंदर जांच की गई तो बंद कमरे में बालवीर कुजूर का शव सड़ी-गली अवस्था में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

तालाब में मिली युवक का शव

जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। 3 सितंबर को घर से निकले 35 वर्षीय युवक का शव शनिवार सुबह तालाब में मिलने से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, पतराटोली के पंडरीपानी निवासी संदीप विश्वकर्मा (35 वर्ष) 3 सितंबर को घर से निकला था। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चल पाया। शनिवार सुबह स्थानीय निवासी वैद्यनाथ सिंह ने अपने बागान की ओर से करीब सुबह 6:30 बजे तालाब की ओर देखा, जहां पानी में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। तब उन्होंने घटना की सूचना तत्काल दुलदुला पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील सिंह के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया। बताया जा रहा है कि मृतक शराब का सेवन करता था। पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर लिया है। युवक की मौत तालाब में डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, इसका खुलासा पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल दुलदुला पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों में शोक का माहौल है।



किनकेल में ग्रामीणों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स, बांटे गए हेलमेट



हरिभूमि न्यूज ►► जशपुरनगर

साइबर अपराधों की रोकथाम और आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रखने के लिए जशपुर पुलिस द्वारा जिले में लगातार 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में पुलिस की टीम सभी थाना व चौकी क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और साइबर ठगी से बचने के उपाय बता रही हैं। इसी कड़ी में यातायात पुलिस और सिटी कोतवाली जशपुर की संयुक्त टीम ने ग्राम किनकेल में साइबर एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर ठगी के नए-नए तरीकों से आगाह किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि आजकल साइबर ठग सीबीआई, ईडी या पुलिस अधिकारी बनकर फर्जी कॉल करते हैं और 'डिजिटल अलरेस्ट' की धमकी देकर पैसे ऐंठते हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोई भी वास्तविक जांच एजेंसी कभी भी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार नहीं करती और न ही ऑनलाइन पैसे जमा करने को



कहती है। ऐसी स्थिति बनने पर घबराने की बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।

ठगी होने पर तुरंत 1930 पर करें शिकायत

जशपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अनजान नंबरों से आए कॉल या मैसेज पर तुरंत भरोसा न करें। यदि किसी के साथ साइबर ठगी हो जाती है, तो बिना घबराए तत्काल राष्ट्रीय हेलपलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में डीएसपी ट्रैफिक केआर. चौहान, ट्रैफिक प्रभारी खोमराज ठाकुर सहित सिटी कोतवाली और यातायात शाखा के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एकतरफा प्यार में अड़चन बनी महिला की हत्या, आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

जशपुरनगर। थाना आस्ता के ग्राम हरी में हुई महिला की अंधी हत्या की गुथी को जशपुर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। बेटी से एकतरफा प्यार में बाधक बनने और मना करने से नाराज युवक ने घर में अकेली पाकर महिला के सिर पर टांगिया से वार कर उसको नृशंस हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पड़ोसी राज्य झारखंड भाग निकला था, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर घर दबोचा। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल टांगिया भी बरामद कर लिया है।

मामले का संक्षिप्त विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि ग्राम हरी निवासी 63 वर्षीय प्रार्थी ने 4 सितंबर को थाना आस्ता में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 3 सितंबर की दोपहर करीब 11:30 बजे वह खाना खाकर मवेशी चराने जंगल गया था। उसकी 55 वर्षीया पत्नी धनमनी बाई घर पर अकेली थी। शाम करीब 6:00 बजे जब वह लौटा तो उसकी पत्नी जमीन पर खून से लथपथ पड़ी हुई थी। उसके चेहरे और सिर पर गंभीर चोट के निशान थे तथा पास ही खून से सना टांगिया पड़ा था। अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डीआईजी व एसएसपी डॉ.लाल उमेद सिंह के निर्देशन में विशेष पुलिस और फॉरेंसिक टीम का गठन किया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि ग्राम कोमडो



निवासी अवधेश राम का कुछ दिन पूर्व मृतका से विवाद हुआ था। पुलिस जब संदेही के घर पहुंची तो वह फरार मिला। तकनीकी सेल की मदद से लोकेशन ट्रेस करने पर आरोपी के झारखंड के रायडीह में होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने तत्काल रायडीह पहुंचकर दबिश दी और आरोपी अवधेश राम उर्फ गुटका (30 वर्ष) को हिरासत में लेकर जशपुर ले आई।

बेटी से बात करने से मना करने पर था नाराज

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी अवधेश राम ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह मृतका की बेटी से एकतरफा प्यार करता था। बेटी द्वारा बातचीत बंद कर देने से वह काफी नाराज था। 3 सितंबर को वह इसी बात को लेकर मृतका के घर पहुंचा। उस वक्त महिला अकेली थी। जब महिला ने उसे अपनी बेटी को परेशान न करने और बातचीत न करने की हिदायत दी, तो वह आपा खो बैठा। उसने आवेश में आकर घर में रखे टांगिया से महिला के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त टांगिया जब्त कर लिया है। आरोपी अवधेश राम के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे गिरफ्तार कर 5 सितंबर को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस अंधी हत्या की गुथी को 24 घंटे में सुलझाने में एसडीओपी जशपुर निमितेश सिंह, आस्ता थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अर्जुन यादव, सजिन अमितलाल टोप्पो, प्रभार बलथाजर तिगा, कोसमोस बड़ा समेत पूरी पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

TECNO

SPARK Go 3^{PRO}

DESH JAISA DUMDARR

IP

69

Available at All Retail Stores Near You...

Assured Cashback*

Buy at ₹2499/Month with 12 Months No Cost EMI*

***T&C apply

pine labs

paytm

benow

OR

FINANCE

TVSCREDIT

HDB FINANCIAL SERVICES

IDFC FIRST Bank

HOME CREDIT

DMI FINANCE

Chola

POONAWALLA FINCORP

LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL

Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757, Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) - Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

TECNO

acerpure

hp

ONEPLUS

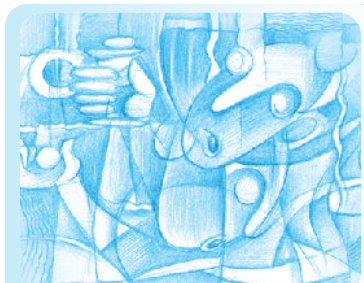
7828002600, 9575832859, 9893314137



कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितने थपड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम श्रम को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने श्रमकों के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम श्रम को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने श्रमों के बीच
कितने बदबोलेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्राल्मपराश के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंटेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ

बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए,

'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इन्वर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

लंघ्य

सूर्य कुमार पांडेय

कहने को तो वह नवोदित भ्रष्टाचारी था लेकिन अपनी लाइन का वह एक पुराना खिलाड़ी था। कई महीनों पहले से ही वह बदनामियों के काले आकाश में उमड़ता-धुमड़ता हुआ देखा जा रहा था। सर्वत्र उसी की चर्चा थी। वह मीडिया में 'काली घटा छाई, भ्रष्टाचार की ख़तु आई' बनकर छाया हुआ था। नवोदित भ्रष्टाचारी के चेहरे पर कैमरों की फ्लैश लाइट चमकती, तो जान पड़ता था कि आकाश में बिजली की धौंध रही है। अपने कंधों पर कारगुजारियों का इंद्रधनुष लादे हुए वह मंडराता फिर रहा था। ईंडी और सीबीआई की हवाएं छापामारी करती थीं और उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाती थीं। उससे पूछताछ होती और वह सारा दोष मौसम के मथ्ये पर मढ़ दिया करता था। वह कहता था कि यह भ्रष्टाचार तो समूचे वायुमंडल में फैला हुआ है, फिर भरुवा वह ही कैसे इसके प्रभाव से अछूता रह सकता है? वह मौका लगते ही डूब-डूब कर बेईमानी का पानी पीने का अभ्यस्त था। यूं तो वह कहने मात्र को ही एक नवोदित भ्रष्टाचारी था। चूंकि पहले उसका नाम किसी बड़े घोटाले में उजागर नहीं हो पाया था, इसके चलते ही उसको नवोदित कहा जा रहा था। इस बात का वह बुरा भी नहीं मानता था। लोग उसे बच्चा समझते थे, वह अपने आपको सबका चच्चा समझता था।

इन दिनों वह चर्चाओं के आकाश में उड़ रहा था, परंतु सभी को यह बात पता थी कि घोटालों के विशाल समंदर को पानी वह अपने पेट में भरे हुए था। वह बहुत गहरा था। अपनी सफलता के नशे में बहकते हुए उसके पांव धरती पर उतरने में अपनी तौहीन समझ रहे थे। लेकिन वक्त-वक्त की बात होती है। जो गहरा होता है, उसको नपना भी पड़ता है। तो उस नवोदित भ्रष्टाचारी को भी एक रोज जमीनी हकीकत देखनी ही पड़ गई। यद्यपि वह सबको सफाई देता रहता था कि उसका



साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम है। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिस्प्रिशन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।' डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।' डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।' संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गद्दती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), संपादक: विज्ञान भूषण, मूल्य: 449 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'द्युमन-एनिलल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिलल फीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लें। जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब आ रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश



पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी

एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी। क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादशत के लिए एक

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं।

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव: मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरोन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादशत और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादशत को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब आ रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूँ? तुम्हें राजा बेटा न कहूँ, तो क्या अपना बाप कहूँ? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझे एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।' अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

ख़बर संक्षेप

दीक्षा द्विवेदी बनीं एलएलएम की यूनिवर्सिटी टॉपर

सोनगर। संत गहि़रा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलएलएम विधि संकाय की परीक्षा में दीक्षा द्विवेदी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए



विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय, परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। दीक्षा द्विवेदी ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर विश्वविद्यालय स्तर पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। परीजनों, शिक्षकों, सहपाठियों और शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दीक्षा द्विवेदी भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शरद चन्द्र द्विवेदी की पुत्री हैं। दीक्षा की सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। परीजनों ने उनकी मेहनत और लगन को इस सफलता का आधार बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। दीक्षा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया है।

दिल्ली मे महिला प्रकारों पर पुलिसिया बर्बरता लोकतंत्र और संविधान पर हमला

सोनगर। देश की राजधानी में एक न्यूज चैनल की दो महिला पत्रकारों के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई बर्बरता और अमानवीय व्यवहार पर



छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव अफरोज खान ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और देश के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला और संविधान की धजियां उड़ाने वाला क्रूर कारा दिया। अफरोज खान ने कहा कि पुलिस का काम नागरिकों की सुरक्षा करना है, न कि निरपराधों और पत्रकारों पर अत्याचार करना। एक कार्यक्रम का कवरेज करते गईं दोनों महिला पत्रकार को पहले पकड़ कर थाने ले गई और फिर थाने के भीतर उन दोनों महिला पत्रकारों को बंधक बनाकर पीटना न सिर्फ पुलिस महकमे के लिए शर्मनाक है, बल्कि यह कानून के राज का खुला उल्लंघन है। उन्होंने मांग की कि इस घिनौने क्रूर्य में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

संस्कृत सप्ताह में हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक की भागीदारी



अम्बिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असोला में संस्कृत सप्ताह का आयोजन कर प्रथम दिवस से लेकर अंतिम दिवस तक विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रथम दिवस दीर्घ ज्योति मंत्र एवं सरस्वती वंदना के उपरांत संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने, बोलचाल की भाषा में सरल शब्दों का प्रयोग कर स्वयं का परिचय, प्रश्नोत्तरी, अभिनय एवं मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया गया। छात्र-छात्राओं ने सप्ताह भर नृत्य, नाटक, गीत, सूक्ति, श्लोक, वाद विवाद, निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, अभिनयुक्त कहानी आदि प्रस्तुति, संस्कृत शिक्षिका श्रीमती दीपलता देशमुख के मार्गदर्शन में किया। संस्कृत सप्ताह का मुख्य आकर्षण संस्कृत गीतों का प्रस्तुतीकरण एवं नृत्य रहा। प्राचार्य श्रीमती गौर ने संस्कृत सप्ताह में छात्रों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कार को बनाए रखने में संस्कृत भाषा का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा सुषमा यादव और ज्योति ने किया।

आदिवासी बच्चों को दिया गया कैरियर गाइडेंस



केदमा/उदयपुर। स्वामी विवेकानंद कैरियर काउंसलिंग व युवा प्रतिभा सम्मान अभियान अंतर्गत सरगुजा के होनहार कार्यक्रम उज्जवल हसुदेव-उन्नत सरगुजा समाज सेवा संस्था द्वारा ग्राम पंचायत केदमा के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उपसरपंच मूलचंद अग्रवाल, जनपद सदस्य श्रीमती नागेश्वरी सिंह, संस्था के अध्यक्ष संतोष दास तथा प्राचार्य के तिगा के आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में 10वीं एवं 12वीं की प्रवीण्य सूची के 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, पेन व कैरियर गाइडेंस बुक भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के शांतनु दास ने छात्रों को कैरियर गाइडेंस की जानकारी दी। मूलचंद अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण आदिवासी अंचल के बच्चों को कैरियर गाइडेंस देने के साथ उन्हें सम्मानित करने की पहल अनूठी है, प्राचार्य के.तिगा ने कहा कि संस्था आगे भी बच्चों के बीच ऐसे आयोजन करती रहे। संतोष दास ने बच्चों को अपनी कविता युवा की परिभाषा सुनाई। इस दौरान बुजेश चतुर्वेदी, महेश्वर पैकार, दीनानाथ यादव, केशी साहू, ईश्वर सिंह, प्रदीप कुमार एक्का, वीके यादव, वेदप्रकाश गोयन तथा मिथिलेश मरावी, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रारंभ से ही प्लाइट को नहीं मिल रहे थे यात्री

पांच महीने में अलाइंस एयर ने बंद किया अम्बिकापुर-कोलकाता प्लाइट का संचालन



नहीं मिल रहे थे यात्री

बताया जा रहा है कि अम्बिकापुर-बिलासपुर-कोलकाता प्लाइट को यात्री नहीं मिल रहे थे। प्रारंभ में चार-पांच यात्री ही कोलकाता का सफर करते थे। लगातार कोशिशों के बावजूद कोलकाता का सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 10-12 यात्री तक ही सीमित रही। यात्रियों की बेहद कम संख्या के कारण भारी आर्थिक क्षति होने के कारण अंततः अलाइंस एयर को प्लाइट का संचालन बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। कम यात्री मिलने के कारण प्लाइट अम्बिकापुर घंटी विलम्ब से पहुंचती थी। इसके विपरीत दिल्ली की प्लाइट में नियमित अम्बिकापुर से 30-35 यात्री सफर कर रहे हैं तथा प्लाइट भी निर्धारित समय से चल रही है। कोलकाता प्लाइट में यात्रियों की संख्या कम होने के पीछे पर्यटकों की संख्या कम होने को माना जा रहा है। सरगुजांचल में एसईसीएल की कई खदानें होने के साथ ही बांग्ला भाषी लोगों की संख्या भी काफी अधिक है लेकिन इसका फायदा अम्बिकापुर-बिलासपुर-कोलका प्लाइट को नहीं मिल सका।

प्लाइट चलाई जा रही है। सोमवार को दिल्ली की प्लाइट बिलासपुर में यात्रियों को उतारने के बाद अम्बिकापुर पहुंचती है जबकि बुधवार को सीधे दिल्ली से अम्बिकापुर पहुंचती है तथा अम्बिकापुर से बिलासपुर के यात्रियों को लेकर दिल्ली के लिए रवाना होती है। इसी तरह कोलकाता की प्लाइट गुरुवार को बिलासपुर से

वाराणसी के लिए प्लाइट चलाने की मांग

हवाई सफर के लिए अम्बिकापुर-बनारस मार्ग को काफी उपयोगी माना जा रहा है। प्रमुख धार्मिक स्थल होने के कारण बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी हर दिन बनारस का सफर करते हैं। बनारस में उच्च स्तरीय चिकित्सा एवं अध्ययन की सुविधा होने के कारण बड़ी संख्या में गंभीर मरीज अपने विद्यार्थी भी बनारस आते-जाते हैं। बड़ी संख्या में युपी एवं बिहार के लोग सरगुजा संगम में पैदियों से निवासरत हैं तथा अपने गृहग्राम जाने के लिए बनारस की यात्रा करते हैं। बनारस तक सफर करने के लिए सड़क मार्ग के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सरगुजा सर्वदलीय रेल संघर्ष समिति लम्बे समय से अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल लाइन विस्तार की मांग कर रही है। ऐसे में अम्बिकापुर से वाराणसी के लिए सीधी प्लाइट चलाई जाए तो क्षेत्रवासियों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। बनारस से अन्य महानगरों के लिए हवाई यात्रा की सुविधा होने के कारण लोग आसानी से अपने गंतव्य की यात्रा कर सकेंगे तथा एयर लाइंस को भी अच्छी आय होगी।

चल रही है पहल

पर्याप्त यात्री उपलब्ध नहीं होने के कारण अलाइंस एयर ने अम्बिकापुर-कोलकाता प्लाइट का संचालन बंद कर दिया है। नए स्त पर प्लाइट चलाने के संकल्प में पहल की जा रही है।

-सुशील श्रीवास्तव डायरेक्टर, माँ महामाया एयरपोर्ट

प्लाइट का संचालन बंदकर दिया है।

शिव मंदिर में हुई गणेश पूजा समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ►► कुसमी

शिव मंदिर धर्मशाला में गणेश महोत्सव एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने हेतु गणेश पूजा सेवा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को मनाने हेतु निर्णय लिया।

बैठक मेंप्रदीप कश्यप को गणेश पूजा समिति द्वारा अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया, साथ ही शेष सभी कार्यकारिणी पूर्ववत की तरह बनाए रखने का निर्णय लिया गया। बैठक हरीश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय व्यवस्था को पारदर्शिता बनाए रखने के लिए गणेश पूजा समिति कुसमी के नाम से एक नया बैंक में खाता खोलने का निर्णय लिया गया। पूर्व की कही राशि इसी खाते में जमा करने की बात बतही गई। साथ ही वर्तमान में प्रारंभिक तैयारियों के लिए बचत राशि की 50 प्रतिशत राशि का उपयोग करने का निर्णय लिया गया।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व समिति ने इस वर्ष श्रीकृष्ण



जन्माष्टमी पर्व उल्लास व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अमर गुप्ता सौंपी गई, भंडारा, महाप्रसाद एवं भंडारा प्रभारी के रूप में हरि शंकर सोनी को दायित्व दिया गया। विसर्जन समिति की व्यवस्था को देख रेख करने हेतु पास पाल को सौंपी गई है। भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन गाजे-बाजे के साथ भव्य रूप से किया जाएगा, ऐसा निर्णय समिति द्वारा लिया गया। बैठक में हरीश मिश्रा, प्रदीप कश्यप,

राजेश्वर गुप्ता, श्रवण दुबे, अजय गुप्ता, यशवंत गुप्ता, सुशील तिवारी, ओमप्रकाश यादव, राजेन्द्र यादव, विकास गुप्ता, संजय गुप्ता, ऋतिक गुप्ता, अनिल गुप्ता, अमर गुप्ता, हरिशंकर सोनी, उमेश गुप्ता, धरम, पंकज रामभक्त, अभिषेक गुप्ता, श्याम कृष्ण, विकी सिंह, अतुल जायसवाल, सुजीत गुप्ता, दीपक सिन्हा सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साल लट्ठे की तस्करी में शामिल पिकअप जब्त

अम्बिकापुर। जंगल से लकड़ी तस्करी करने के मामले में वनकर्मियों ने एक पिकअप जब्त करने के साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वन परिक्षेत्र रामानुजनगंज अंतर्गत विजयनगर सॉकिल परहिया बाँट के रास्ते साल लट्ठे की तस्करी करने की सूचना पर वनकर्मियों ने रोराबंदी कर पिकअप क्रमांक जेएच 01पीएस 8450 को बीसी रात पकड़ा। पिकअप की जांच की गई तो उसमें 5 साल लट्ठे एवं 2 चौखट कुल 7 वन अवैध लकड़ी मिली। जांच में लकड़ी 0.628 घनमीटर निकली। वनकर्मियों ने साल लट्ठा व चौखट तस्करी करने के मामले में पिकअप को जब्त करने के साथ ही वाहन में सवार वाम चंद्रपुर निवासी शौकत अली (46वर्ष) एवं अमजद खान (34वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध विभाग द्वारा वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1), वनोपज व्यापार अधिनियम 1969 की धारा 5(1) के तहत कार्रवाई की गई है।

पश्चिम बंगाल भ्रमण कराने गए थे,सभी लोग पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा स्थित पांच मंजिला लॉज की बालकनी से गिर



पांच मंजिला लॉज के बालकनी से नीचे गिर जाने से हुआ हादसा

इलेक्ट्रिशियन शंभू सिंह के बड़े भाई थे।

एसजीजीयू एवं नंदी फाउंडेशन के मध्य महिला सशक्तिकरण के लिए एमओयू

अम्बिकापुर। संत गहि़रा गुरु विश्वविद्यालय के सिटी कैंपस में गुरुवार को विश्वविद्यालय एवं नंदी फाउंडेशन, हैदराबाद के मध्य महिंद्रा प्राइड क्लासरूम प्रोग्राम अंतर्गत महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की छात्राओं के महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल के माध्यम से छात्राओं को रोजगारपरक कौशल, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, करियर संबंधी

मार्गदर्शन तथा कार्यस्थल के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। महिंद्रा प्राइड क्लासरूम विश्वविद्यालय के यूटीडी में अध्ययनरत छात्राओं के लिए एक उत्कृष्ट अवसर है। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को अपने कौशल को विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा भविष्य में रोजगार एवं करियर के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो.राजेंद्र लालपाले एवं विश्वविद्यालय में छात्र केंद्रित एवं कौशल आधारित कार्यक्रमों

को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में कौशल, संचार एवं रोजगार के अवसर विकसित करना भी आवश्यक है। नंदी फाउंडेशन के साथ यह सहयोग छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय एवं नंदी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा एमओयू दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए तथा दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।



देवनगर में अतिक्रमणकारी सक्रिय प्रशासन ने हटाया, पुनः किया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ►► रामानुजनगर

देवनगर में एक बार फिर अतिक्रमण कारी सक्रिय हो गए है। हैरानी की बात है कि कुछ माह पूर्व ही राजस्व अमले को टीम ने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण से बेजा कब्जा हटाया था। उस भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा पुनः कब्जा कर लिया है। ऐसे में अब प्रशासनिक टीम द्वारा की गई कार्रवाई पर सवाल उठने लगे है।

छह माह पूर्व राजस्व एवं पुलिस टीम ने कराया था अतिक्रमणमुक्त

रामानुजनगर तहसील अंतर्गत उप तहसील देवनगर में राजस्व अमले ने बड़ी कार्रवाई की थीं। प्रभारी नायब तहसीलदार हिना टंडन ने राजस्व अमला व पुलिस प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए बेजा कब्जा व अतिक्रमण को हटा दिया है, जिससे गांव के लोगों ने राहत की सांस ली थीं, किन्तु बेजा कब्जा पुनः हो गया। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत गोपीपुर टेपरा में लंबे समय से लगभग नौ लोगों ने पंचायत भवन प्रांगण व स्कूल परिसर के छोटे झाड़ जंगल मद में दर्ज भूमि पर

मकान, बाउंड्री और कच्चा मकान बनाकर अतिक्रमण कर लिया है। जिसकी शिकायत ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित कर लिखित सूचना पूर्व कलेक्टर सहित राजस्व अधिकारियों को दी गई थी। जांच दल ने मौके पर जांच की तो अतिक्रमण करना पाया गया। इस पर 6 नवंबर को नायब तहसीलदार ने कब्जा धारियों को नोटिस जारी करते हुए उक्त अतिक्रमण व बेजा कब्जा हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था। समय सीमा पूरी होने के बाद राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को हटा कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया था, लेकिन अतिक्रमण हटाने के बाद छः महीने में ही अतिक्रमण करने वाले ग्रामीणों द्वारा बेजा कब्जा किया गया है। शासकीय भूमि पर पुनः बेजा करने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। इस संबंध में तहसीलदार रामानुजनगर मनहरण राठिया ने बताया कि मेरे संज्ञान में शिकायत आने पर बेजा कब्जा मुक्त कराने का काम किया जाएगा।

अचानक नदी में आई बाढ़ में फंसे युवक को पुलिस टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू किया

हरिभूमि न्यूज ►► सूरजपुर

थाना ओड़गी क्षेत्र के ग्राम मांदर में 2 सितंबर की सुबह रेड नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण टापू नुमा स्थान पर फंसे एक युवक को पुलिस,



अन्य साथियों के साथ सुबह करीब 10 बजे नदी में मछली मारने गया था। इसी दौरान नदी में अचानक बाढ़ आ गई और पानी का बहाव तेज होने से अशोक नदी के बीच स्थित टापू नुमा स्थान पर फंस गया। युवक के नदी में फंसे होने की सूचना मिलते ही थाना ओड़गी स्टाफ एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से काफी प्रयास एवं परिश्रम कर युवक तक पहुंच बनाई और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद थाना प्रभारी ओड़गी एवं पुलिस स्टाफ द्वारा युवक को उसके परिजन के सुपुर्द किया। पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में

थाना प्रभारी ओड़गी निरीक्षक दिनेश कुमार पुरेना, एसएसआई ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक उदय कुमार सिंह, मनोज वर्मा, आरक्षक अनिल एक्का सहित एसडीआरएफ की टीम एवं ग्रामीण सक्रिय रहे।

पुलिस की तत्परता से बची युवक की जान

अचानक नदी में आई बाढ़ के बीच युवक के फंसने की सूचना पर पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर चलाए गए बचाव अभियान से युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों के सहयोग की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

कोल इंडिया कर्मचारियों का वीडीए बढ़कर 26.8 प्रतिशत

बिश्रामपुर। कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत वेतन बोर्ड कर्मचारियों के वेरिएबल डियरेन्स अलाउंस में संशोधन करते हुए इसे 26.8 प्रतिशत प्रति माह निर्धारित किया गया है। नई दर 1 सितंबर से प्रभावी होकर 30 नवंबर लागू रहेगी। इससे कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों को निर्धारित अवधि में संशोधित वीडीए का लाभ मिलेगा। कोल इंडिया के औद्योगिक संबंध विभाग द्वारा जारी 3 सितंबर के कार्यालय ज्ञापन में वीडीए की नई दर की जानकारी दी गई है।जारी निर्देश के अनुसार वेतन बोर्ड कर्मचारियों के वीडीए का संशोधन निर्धारित प्रक्रिया के तहत वर्ष में चार बार किया जाता है। इसमें 1 मार्च, 1 जून, 1 सितंबर और 1 दिसंबर से नई दर प्रभावी होती है। इसके लिए संबंधित अवधि के औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों को आधार बनाया जाता है। महंगाई और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में होने

वाले बदलाव के अनुरूप वीडीए की दर में समय-समय पर संशोधन किया जाता है। नवीनतम आदेश के मुताबिक 1 सितंबर से 30 नवंबर तक वेतन बोर्ड कर्मचारियों को 26.8 प्रतिशत की दर से वीडीए का भुगतान किया जाएगा। यह संशोधित दर कोल इंडिया लिमिटेड के साथ-साथ उसकी सभी संबंधित अनुषंगी कंपनियों के पात्र वेतन बोर्ड कर्मचारियों पर लागू होगी। 1 दिसंबर से वीडीए की अगली दर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पुनः संशोधित की जाएगी। गौरतलब है कि वीडीए वेतन बोर्ड कर्मचारियों के वेतन ढांचे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें होने वाला संशोधन सीधे तौर पर महंगाई के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से कर्मचारियों को अतिरिक्त राहत प्रदान करता है।कोल इंडिया के वर्तमान आदेश के बाद एसईसीएल समेत विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों के बीच भी नई वीडीए दर को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेकरी सर्जनी एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOOREFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COMBATORE

भारुकर आई केयर
कालामोतिया नज्द चुराता है और दर्द भी नही होता!

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सतस्र्ण अवतर के पास, हिंद स्पोटर्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.)

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

मूत्र रोग एवं सर्जरी

किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

यौन संबंधी समस्याएं

महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्यान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

